



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 508]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 21, 2003/आश्विन 29, 1925

No. 508]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 21, 2003/ASVINA 29, 1925

वित्त मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2003

सा.का.नि. 830(अ).— केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)

की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के प्रयोजन का क्रियान्वयन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और विस्तार-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन निदेशकों की निरर्हता) नियम, 2003 है।
- (2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- (3) ये नियम कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत सभी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं-

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

- (क) “निरर्हक कंपनी” वह कंपनी है, जिसमें ऐसा व्यतिक्रम हुआ है जिसके कारण कोई निदेशक निरर्हित हो गया है;

(ख) “नियुक्ति कंपनी” ऐसी कंपनी है जिसमें कोई व्यक्ति निदेशक के रूप में, जिसके अंतर्गत निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति भी है, नियुक्ति की वांछ करता है।

3. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के अधीन निरर्हताएं—

- (क) जब कोई कंपनी धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के उपखंड (क) में वर्णित रूप में वार्षिक लेखे और वार्षिक विवरणियां फाइल करने में असफल रहती है तो वे व्यक्ति, जो 1 अप्रैल 1999 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले लगातार किन्हीं वित्तीय वर्षों के लिए वार्षिक लेखे और वार्षिक विवरणियां फाइल करने के लिए अंतिम नियत तारीख को निदेशक हैं, निरर्हित होंगे।
- (ख) यदि कोई कंपनी किसी अधिनियमिति, नियमों या विनियमों को विचार में लाए बिना, जिनके अधीन कंपनी द्वारा निक्षेप स्वीकार किए हैं, किसी निक्षेप या उस पर ब्याज या उसके डिबेंचरों का विमोचन या संबंधित नियत तारीखों को घोषित किसी लाभांश का संदाय करने में असफल रही है और यदि ऐसी असफलता धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के उपखंड (ख) में यथावर्णित एक वर्ष के लिए लगातार बनी रहती है तो उस कंपनी के निदेशक संबंधित नियत तारीखों से उस वर्ष के तुरन्त समाप्ति पर निरर्हित हो जाएंगे :

परन्तु ऐसे सभी निदेशक, जो सुसंगत वर्ष में निदेशक रहे हैं नियत तारीख से नियत तारीख के पश्चात् एक वर्ष की समाप्ति तक निरर्हित होंगे :

परन्तु यह और कि इस नियम के अधीन उद्धृत कारणों के मद्दे निरर्हता निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति को भी लागू होगी।

**स्पष्टीकरण-** इस नियम के प्रयोजन के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के उपखंड (ख) में निर्दिष्ट लाभांश का संदाय न किया जाना जो लाभांश का दावा न करने के कारण हुआ है या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205क के अधीन यथापेक्षित पृथक बैंक खाते में रखा गया है या उस अधिनियम की धारा 205ग के अधीन यथापेक्षित विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि में संदत्त किया गया है, लाभांश का संदाय करने में असफल रहना नहीं समझा जाएगा।

#### 4. निरर्हता के संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कानूनी संपरीक्षक का कर्तव्य-

(क) धारा 227(3)(च) की अपेक्षानुसार नियुक्ति कंपनी तथा निरर्हक कंपनी के कानूनी संपरीक्षक का यह कर्तव्य होगा कि वह कंपनी के सदस्यों को यह रिपोर्ट करे कि क्या कोई निदेशक धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के अधीन निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से निरर्हित है और इस संबंध में प्रत्येक वर्ष एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे कि क्या कंपनी की बहियों और अभिलेखों की जांच के आधार पर, कंपनी का कोई निदेशक, निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए निरर्हित है या नहीं।

(ख) धारा 227(3)(च) की अपेक्षानुसार “निरर्हित कंपनी” के कानूनी संपरीक्षक का कंपनी के सदस्यों को रिपोर्ट करने का यह कर्तव्य होगा कि क्या कंपनी में कोई निदेशक वर्ष के दौरान धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के अधीन किसी अन्य कंपनी में निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति या निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए निरर्हित हो गया है।

#### 5. निरर्हता की सूचना देने के लिए कंपनी का कर्तव्य-

जब कभी कोई कंपनी वार्षिक लेखे और विवरणियां फाइल करने में असफल रहती है या धारा 274 की उपधारा (1) के खंड (छ) के खंड (क) और खंड (ख) में यथावर्णित किसी निक्षेप, ब्याज, लाभांश का पुनः संदाय करने में असफल रहती है, उसके डिबेंचरों का विमोचन करने में असफल रहती है तो ऐसी कंपनी इस प्रयोजन के लिए इन नियमों के अधीन विहित प्रारूप ‘घघ-ख’ में दो प्रतियों में एक विवरणी फाइल करेगी जिसमें सुसंगत वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के सभी निदेशकों के नाम और पते होंगे :

परन्तु ऐसे निदेशकों के नाम, जिन्हें समय-समय पर केन्द्रीय सरकार धारा 274(1)(छ) के लागू होने से छूट दी गई है, अपवर्जित कर दिया जाएगा :

परन्तु यह और कि प्रारूप ‘घघ-ख’ को भरने में किन्हीं अप्रायिक संक्षेपाक्षरों और संक्षिप्त रूप का उपयोग नहीं किया जाएगा या इनमें ऐसे ब्यौरे दिए जाएंगे जो बिना किसी संदिग्धता के प्रत्येक निदेशक का विभेद और पहचान करने के लिए आवश्यक हो।

6. निरर्हता की सूचना देने में असफल निदेशक को व्यतिक्रम करने वाला आफिसर बनाएगी- जब कोई कंपनी, उपरोक्तानुसार असफलता के 30 दिनों के भीतर, जहां धारा 274(1)(छ) के अधीन निरर्हता लागू होती है, प्ररूप 'घघ-ख' में फाइल करने में असफल रहती है तो वहां कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 5 में सूचीबद्ध आफिसरों के आफिसर व्यतिक्रम करने वाले आफिसर होंगे ।

7. (क) नियम 5 के अधीन दो प्रतियों में प्ररूप 'घघ-ख' की प्राप्ति पर, कंपनी रजिस्ट्रार तुरन्त दस्तावेजों को रजिस्टर करेगा और इसकी एक प्रति सार्वजनिक निरीक्षण के लिए दस्तावेज फाइल में रखेगा ।

(ख) कंपनी रजिस्ट्रार दूसरी प्रति केन्द्रीय सरकार को अग्रेषित करेगा ।

8. निरर्हित निदेशकों के नाम वेबसाइट आदि पर होंगे-

(क) केन्द्रीय सरकार, कंपनी कार्य विभाग की वेबसाइट पर सभी निरर्हित निदेशकों की बाबत उनके नाम और पते तथा ऐसे अन्य ब्यौरे, जिसके अंतर्गत संबंधित कंपनियों के नाम और ब्यौरे भी हैं, जो आवश्यक हो, रखेगी ।

(ख) केन्द्रीय सरकार, निरर्हित निदेशकों के नाम ऐसी शीति में, जो वह उचित समझे भी प्रचारित करेगी ।

(ग) केन्द्रीय सरकार ऐसे उपाय करेगी जो उसकी वेबसाइट को अद्यतन करने के लिए अपेक्षित हों जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उस व्यक्ति का नाम जिसकी बाबत निरर्हित अवधि 5 वर्ष के पश्चात् समाप्त हो चुकी है, उन्हें वेबसाइट से हटा दिया गया है ।

9. प्रत्येक निदेशक का कर्तव्य--

कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी पब्लिक कंपनी में प्रत्येक निदेशक इन नियमों में विहित प्ररूप 'घघ-क' अपनी नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति से पूर्व फाइल करेगा ।

10. यदि इस संबंध में ऐसा कोई प्रश्न उद्भूत होता है कि क्या ये नियम किसी विशिष्ट कंपनी को लागू होते हैं या नहीं तो ऐसा प्रश्न केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाएगा ।

**11. नियमों के उल्लंघन के लिए दंड-**

यदि कोई कंपनी या कोई अन्य व्यक्ति, इन नियमों के किन्हीं ऐसे उपबंधों का उल्लंघन करता है, जिनके लिए कंपनी अधिनियम, 1956 में कोई दंड उपबंधित नहीं है तो कंपनी और कंपनी का प्रत्येक आफिसर जो व्यतिक्रम करता है या ऐसा अन्य व्यक्ति ऐसे जुर्माने से, जो पांच हजार रुपए तक हो सकेगा दंडनीय होगा और जहां उल्लंघन जारी रहता है, वहां ऐसे अतिरिक्त जुर्माने से, जो पहले व्यतिक्रम के पश्चात् प्रत्येक दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, पांच सौ रुपए तक हो सकेगा।

**12.** इन नियमों के प्रारंभ पर, सभी नियम, आदेश या निदेश, जो किसी ऐसे विषय के संबंध में प्रवृत्त हैं, जिसके लिए इन नियमों में उपबंध किया गया है उन बातों के सिवाय, जिन्हें ऐसे निरसन से पूर्व किया गया है या करने से लोप किया गया है, निरसित हो जाएंगे।

[फा. सं. 1/8/2002-सीएल. V]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

**प्ररूप 'घघ-क'**

कंपनी (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन निदेशकों की निरर्हता)  
नियम, 2003

निदेशक द्वारा सूचना

[धारा 274(1)(छ) के अनुसरण में]

कंपनी का रजिस्ट्रीकरण सं०.....

अभिहित पूंजी.....रु०

समादत्त पूंजी.....रु०

कंपनी का नाम.....

उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता.....



सेवा में

.....का

निदेशक बोर्ड

में.....पुत्र/पुत्री/पत्नी.....निवासी.....कंपनी में  
निदेशक/प्रबंध निदेशक/प्रबंधक हूं, यह सूचना देता हूं कि गततीन वर्षों के दौरान मैं निम्नलिखित  
कंपनियों में निदेशक रहा हूं/रहा था :-

कंपनी का नाम	नियुक्ति की तारीख	अस्तित्वहीन होने की तारीख
1.....		
2.....		

मैं, यह और अभिपुष्ट करता हूं कि मैंने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में, उपरोक्त कंपनियों में से किसी  
भी कंपनी में, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन निरर्हता उपगत नहीं की  
है और मैं, इस समय, निदेशक होने के लिए किसी भी निरर्हता से मुक्त हूं।

या

मैं यह और अभिपुष्ट करता हूं कि मैंने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित कंपनी/कंपनियों में  
कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन निरर्हताएं उपगत की है और मैं, इस  
समय, निदेशक होने के लिए निरर्हत हूं।

कंपनी का नाम	नियुक्ति की तारीख	अस्तित्वहीन होने की तारीख
1.....		
2.....		

हस्ताक्षर

(पूरा नाम)

तारीख



प्रकरण 'घघ-ख'

## पब्लिक कंपनी द्वारा रिपोर्ट

[कंपनी (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन निदेशकों की निरहता  
नियम, 2003 के नियम 5 के साथ पठित धारा 274(1)(छ) के अनुसरण में]

कंपनी का रजिस्ट्रीकरण सं०.....

अभिहित पूंजी.....रु०

समादत्त पूंजी.....रु०

कंपनी का नाम.....

उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता.....

सेवा में

कंपनी रजिस्ट्रार

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1)(छ) के अधीन रिपोर्ट की जाती है कि मैसर्स.....

(i) गत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान वार्षिक लेखे और वार्षिक विवरणियां फाइल करने में असफल रहा है या (ii) .....नियत तारीख को निक्षेपों या उन पर ब्याज का पुनःसंदाय करने में, या.....नियत तारीख को उसके डिबेंचरों का मोचन करने में या.....से कंपनी द्वारा घोषित लाभांश संदत्त करने या दोनों में असफल रहा है। एक वर्ष की अवधि.....को समाप्त हो गई है।

सुसंगत अवधि में निदेशक का नाम और उनका पता निम्नवत है :—

(क) निदेशक का, संक्षेपाक्षर के बिना, नाम.....

(ख) कंपनी अभिलेखों के अनुसार निदेशक का नाम.....

(संक्षेपाक्षर का विस्तार करें और उन्हें दर्शाएं)

(ग) निदेशक का पता- (i) स्थायी

(ii) वर्तमान

(घ) निरहता से पूर्व गत 5 वर्षों के दौरान निदेशक द्वारा धारित पद :

हस्ताक्षर

पदाभिधान\*

तारीख.....

\* बताएं क्या निदेशक, प्रबंध निदेशक, प्रबंधक या सचिव हैं ।

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Company Affairs)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st October, 2003

**G.S.R. 830(E).—** In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1)

of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to carry out the purpose of clause (g) of sub-section (1) of section 274 of the said Act, namely :-

**1. Short title, commencement and extent.-**

(1) These rules may be called the Companies (Disqualification of Directors under section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956) Rules, 2003.

(2) These rules shall come into force from the date of their notification in the Official Gazette.

(3) These rules shall apply to all public limited companies registered under the Companies Act, 1956.

**2. Definitions -**

In these rules, unless the context otherwise requires, -

(a) "disqualifying company" is the company in which the default has occurred on account of which a director stands disqualified:

(b) "appointing company" is the company in which an individual is seeking appointment as a director, including re-appointment as director.



**3. Disqualifications under clause (g) of sub-section (1) of section 274 of the Companies Act, 1956.-**

- (a) Whenever a company fails to file the annual accounts and annual returns, as described in sub-clause (A) of clause (g) of sub-section (1) of section 274, persons who are directors on the last due date for filing the annual accounts and the annual returns for any continuous three financial years commencing on and after the first day of April, 1999, shall be disqualified.
- (b) If a company has failed to repay any deposit, irrespective of the enactment, rules or regulations under which the deposits have been accepted by the companies, or interest thereon, or redeem its debentures, or pay any dividend declared on the respective due dates, and if such failure continues for one year, as described in sub-clause (B) of clause (g) of sub-section (1) of section 274, then the directors of that company shall stand disqualified immediately on expiry of that one year from the respective due dates:

Provided that all the directors who have been directors in the relevant year, from the due date to the expiry of one year after the due date, will be disqualified:

Provided further that disqualification on account of the reasons cited under this Rule shall also apply to the reappointment as a director.

**Explanation.-** For the purpose of this rule, it is clarified that non-payment of dividend referred to in sub-clause (B) of clause (g) of sub-section (1) of section 274 due to the reason of dividend not being claimed or kept in separate bank account as required under section 205A of Companies Act, 1956 or paid into Investors Education & Protection Fund as required under section 205C of that Act shall not be deemed to be a failure to make payment of dividend.

**4. Duty of Statutory Auditor to report on disqualification.-**

- (a) It shall be the duty of statutory auditor of the appointing company as well as disqualifying company, as required under section 227(3)(f) to report to the members of the company whether any director is disqualified from being appointed as director under clause (g) of sub-section (1) of section 274 and to furnish a certificate each year as to whether on the basis of his examination of the books and records of the company, any director of the company is disqualified for appointment as a director or not.
- (b) It shall be the duty of the statutory auditors of the "disqualifying company" as required in section 227(3)(f) to report to the members of the company whether any director in the company has been disqualified during the year from being re-appointed as director, or being appointed as director in another company under clause (g), of sub-section (1) of section 274.

**5. Duty of company to intimate disqualification.-**

Whenever a company fails to file the annual accounts and returns, or fails to repay any deposit, interest, dividend, or fails to redeem its debentures, as described in clauses (A) and (B) of clause (g) of sub-section (1) of section 274, the company shall immediately file a return in duplicate in Form 'DD-B', prescribed under these rules for this purpose, to the Registrar of Companies, furnishing therein the names and addresses of all the Directors of the company during the relevant financial years:

Provided that names of such directors who have been exempted from application of Section 274(1)(g) by the Central Government, from time to time, shall be excluded.

Provided further that no unusual abbreviations or short forms shall be used in filling up the Form 'DD-B', which shall give such details as may be necessary

to distinguish and identify each director without any ambiguity.

**6. Failure to intimate disqualification shall render director as officer in default.-**

When a company fails to file the Form 'DD-B' ~~as above~~ within 30 days of the failure that would attract disqualification under Section 274(1)(g), officers of the company listed in section 5 of the Companies Act, 1956 shall be officers in default.

7. (a) Upon receipt of the Form 'DD-B' in duplicate under Rule 5, the Registrar of Companies shall immediately register the document and place one copy of it in the document file for public inspection.

(b) The Registrar of Companies shall forward the other copy to the Central Government.

**8. Names of the disqualified directors on the web-site etc.-**

(a) The Central Government shall place on the web-site of the Department of Company Affairs the names and addresses and such other details including names and details of the companies concerned, as may be necessary, in respect of all the disqualified directors.

(b) The Central Government may also publicize the names of disqualified directors in such manner as it may consider appropriate.

(c) The Central Government shall take such steps as may be required to update its web-site to ensure that name of the person, in whose respect disqualification period has expired after 5 years, is deleted from the web-site.

**9. Duty of every director.-**

Every director in a public company registered under the Companies Act, 1956 shall file Form 'DD-A', prescribed under these Rules, before he is appointed or re-appointed.

10. If any question arises as to whether these rules are or are not applicable to a particular company, such question shall be decided by the Central Government.

**11. Punishment for contravention of the rules.-**

If a company or any other person contravenes any provision of these rules for which no punishment is provided in the Companies Act, 1956, the company and every officer of the company who is in default or such other person shall be punishable with fine which may extend to five thousand rupees and where the contravention is a continuing one, with a further fine which may extend to five hundred rupees for every day after the first, during which the contravention continues.

12. On the commencement of these rules, all rules, orders or directions in force in relation to any matter for which provision is made in these Rules shall stand repealed, except as respects things done or omitted to be done before such repeal.

[F.No. 1/8/2002-CL.V]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.

**FORM 'DD-A'**

Companies (Disqualification of Directors under section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956) Rules, 2003

Intimation by Director  
[Pursuant to Section 274(1)(g)]

Registration No. of Company \_\_\_\_\_

Nominal Capital Rs. \_\_\_\_\_

Paid-up Capital Rs. \_\_\_\_\_

Name of Company \_\_\_\_\_

Address of its Registered Office \_\_\_\_\_

To

The Board of Directors  
of \_\_\_\_\_

I \_\_\_\_\_ son/daughter/wife of \_\_\_\_\_ resident of \_\_\_\_\_  
director/managing director/manager in the company hereby  
give notice that I am/was a director in the following companies during the last 3  
years:-

Name of the Company	Date of Appointment	Date of Cessation
1.....		
2.....		

I further confirm that I have not incurred disqualification under section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956 in any of the above companies, in the previous financial year, and that I, at present, stand free from any disqualification from being a director.

or

I further confirm that I have incurred disqualifications under section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956 in the following company(s) in the previous financial year, and that I, at present stand disqualified from being a director.

Name of the Company	Date of Appointment	Date of Cessation
1.....		
2.....		

Signature  
(Full Name)

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

**FORM 'DD-B'**

Report by a public company

[Pursuant to Section 274(1)(g) read with rule 5 of Companies (Disqualification of  
Directors under section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956) Rules, 2003]

Registration No. of Company \_\_\_\_\_

Nominal Capital Rs. \_\_\_\_\_

Paid-up Capital Rs. \_\_\_\_\_

Name of Company \_\_\_\_\_

Address of its Registered Office \_\_\_\_\_

To

The Registrar of Companies,

It is hereby reported under section 274(1)(g) of Companies Act, 1956, that M/s. \_\_\_\_\_ have failed to (i) file the annual accounts and annual returns for the last three financial years, or (ii) repay deposits or interest thereon on due date being \_\_\_\_\_ or redeem its debentures on due date being \_\_\_\_\_ or pay dividend declared by the company since \_\_\_\_\_ or both. The period of one year has expired on \_\_\_\_\_.

The name and address of directors at the relevant period are as under :—

- (a) Director's name in full, without abbreviations
- (b) Director's name as per company's records  
(abbreviations may be expanded and shown)
- (c) Address of the Director :— (i) Permanent  
(ii) Present
- (d) Positions held by the director in the last 5 years, prior to disqualification:

Signature  
Designation\*

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

\*State whether Director, Managing Director, Manager or Secretary